उमंग

PM SHRI

KENDRIYA VIDYALAYA

KALPETTA

E-MAGAZINE (2024-2025)

प्राचार्य का संदेश

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय कल्पेटा में आपका स्वागत है।

मेरे लिए प्रशंसा का विषय है कि हमारा विद्यालय प्रतिवर्ष वार्षिक ई पत्रिका का प्रकाशन करता है। यह पत्रिका विद्यालय द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों का दर्पण है। विद्यालय में शिक्षण कार्य के अलावा छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न गतिविधियां वर्ष पर्यंत चलती रहती है। इस पत्रिका के माध्यम से हमारे विद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को अपना कौशल निखारने का अवसर प्राप्त होगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी आगे चलकर प्रबुद्ध, देशभक्त एक विविध् कौशलों से परिपूर्ण नागरिक बनेंगे एवं समाज एवं देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल बनाएंगे।

प्राचार्य

श्री हरिलाल ए यू

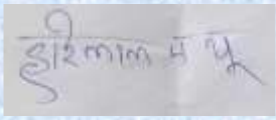

संपादकीय

" केवल मनोरंजन ना कवि का कर्म होना चाहिए उसमें उचित उपदेश का भी मर्म होना चाहिए"

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त

लेखन कौशल को सबसे मूल्यवान साहित्यिक

अभिव्यक्ति कहा जा सकता है। छात्र-छात्राओं में लेखन के प्रति जुनून पैदा करना हमारी पत्रिका का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है। ' उमंग ' पत्रिका इस दिशा में एक कदम है और इसने छात्रों के लेखन के प्रति जुनून को बाहर निकालने और उनके भीतर मौलिक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में काम किया है।

हमारे छात्र लेखकों ने अपनी रचनात्मक सोच और लेखन कौशल को प्रदर्शित करते हुए कुछ मौलिक रचनाएं प्रस्तुत की है। इस संस्करण में शामिल मौलिक रचनाएं उनकी रचनात्मक सोच को जगाने का अवसर प्रदान करेंगी। इन उत्साही लेखकों ने कहानी कविताओं आदि के द्वारा लेखन कौशल को विविध आयाम प्रदान करने का प्रयास किया है उनका ये प्रयास बहुत ही सराहनीय है।

विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन समूह कार्य द्वारा ही संभव हुआ है इसमें प्रमुख योगदान प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (अंग्रेजी)श्रीमती प्रिया प्रभाकरण एवं प्राथमिक शिक्षक श्री हीरेश कुमार ने दिया है ।

अंत में उमंग पत्रिका की ओर से हम सभी पाठकों को शुभकामनाएं देते हैं कि इसे पढ़कर आनंद का अनुभव प्राप्त करें

धन्यवाद ।

नवीन वत्स

हिंदी स्नातकोत्तर शिक्षक
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कल्पेट्टा केरल

जीवन की धारा

सपनों की धारा में,
बहते हैं हम।
खशिुयों की तलाश में,
रहते हैं हम।

जीवन की राहें,
कभी सरल, कभी कठिन।
हर मोड़ पर,
नया अनभवु गहन।

मुस्कान को थामे,
आगे बढ़ते जाएं।
हर पल को जीकर,
जीवन महकाएं।

-रितिका रेजीश
कक्षा XI

चित्रकार

चित्रकार चित्र बनाता
उसे से शोभा पाता
गरीबी का बोझ लादे फिरता
फिर भी दिन रात खटता
चित्रों को सहलाता
देख उन्ही से दिल बहलाता
जाने कोन विपदा आई
अब कुछ न बतलाता
गिरा हृदय पर जिसके वज्र
अपूर्ण संसार अब उसे न भाता
सावन आया भादो आया
रंग कल को अब कोन हाथ लगाता
जर्जर हुई कल्पना सारी
अपने कर्मो को दोषी ठहराता !
सुखा रंग कलम भी सुखी
अब दिल वह कहा लगाता
ठाकुर आया घर के अंदर
गुस्से से दहाड़ लगाता !
कर्ज के गहरे चंगुल से
ईश्वर ही अब लाज बचाता !

नवीन वत्स

हिंदी स्नातकोत्तर शिक्षक
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कल्पेट्टा केरल

रानी लक्ष्मीबाई

रानी आई सपने में मैं व्यस्त था पढ़ने में
रानी बैठी कुर्सी पर रानी आई सपने में

वह थी दिखती बहुत सुहानी क्योंकि वह थी झांसी रानी
रानी ने किया प्रहार मुझे न पता क्या करूं मैं यार
रानी आई सपने में मैं व्यस्त था पढ़ने में ।।

रानी को चाहिए स्वतंत्रता मैंने की रानी से मित्रता
रानी ने महसूस किया वह थी यूँ ही लापता
मैंने बोला मिल गई आज हमें यूं स्वतंत्रता ।
रानी आई सपने में मैं व्यस्त था पढ़ने में।।

यूं देह में थी अधिक श्वास चाहती थी अंग्रेजों का विनाश
ना रही यह आस अधूरी मिल गयी स्वतंत्रता पूरी
ऐसा वह मुझसे बोली
रानी आई सपने में मैं व्यस्त था पढ़ने में।।

आदित्य अजित्
कक्षा . 10
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कल्पेट्टा ;केरल

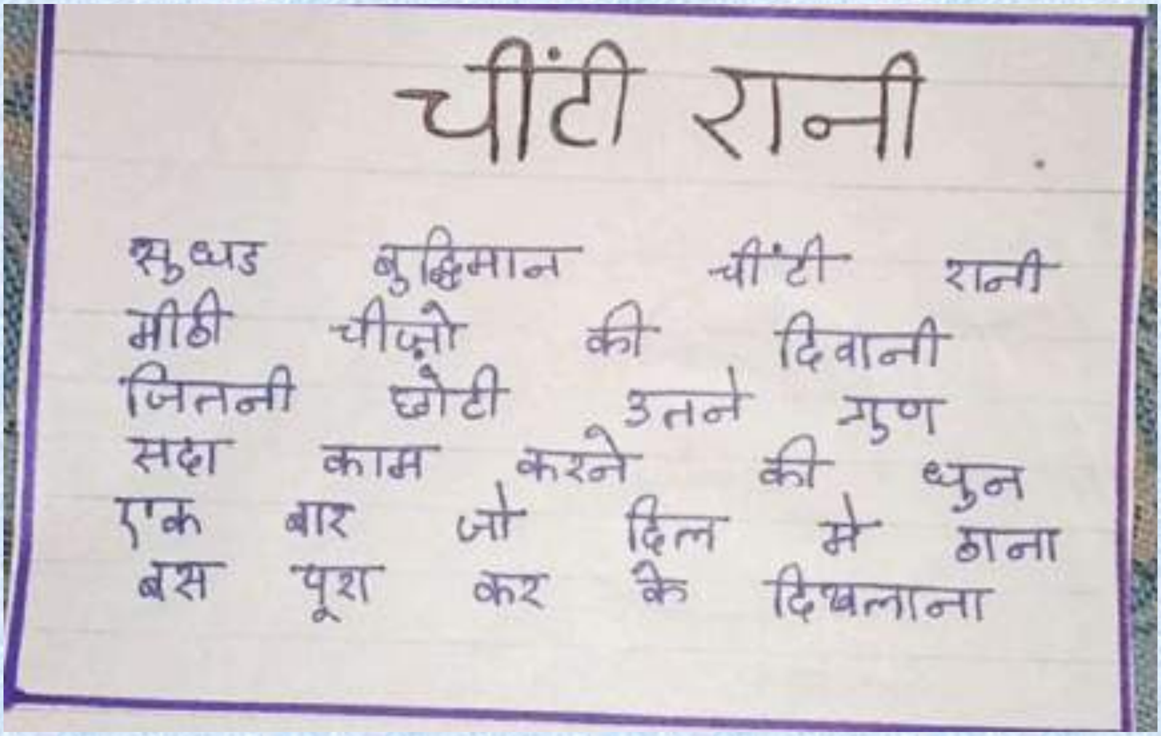
चींटी रानी

सुघड बुद्धिमान चींटी रानी
मीठी चीज़ो की दिवानी
जितनी छोटी उतने गुण
सदा काम करने की धुन
एक बार जो दिल मे ठाना
बस पूरा कर के दिखलाना

देविका
कक्षा 12
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कल्पेट्टा ;केरल

शिक्षा का महत्व

शिक्षा किसी के जीवन में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह भविष्य में सफलता और हमारे जीवन में कई अवसरों की कुंजी है। लोगों के लिए शिक्षा के कई फायदे हैं। उदाहरण के लिए, यह किसी व्यक्ति के दिमाग और सोच को प्रकाशित करता है। यह छात्रों को विश्वविद्यालय से स्नातक होने के दौरान काम की योजना बनाने या उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद करता है। किसी क्षेत्र में शिक्षा होने से लोगों को इस तरह से सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने में मदद मिलती है जो उनकी सफलता में योगदान देता है, और न केवल उनकी व्यक्तिगत संतुष्टि बल्कि उनके समुदाय में भी सुधार करता है। इसके अलावा, शिक्षा मानव व्यक्तित्व, विचारों, दूसरों के साथ व्यवहार विकसित करती है और लोगों को जीवन के अनुभवों के लिए तैयार करती है। यह लोगों को उनके अपने समाज में और हर जगह वे रहते हैं एक विशेष दर्जा देता है। मेरा मानना है कि हर किसी को 'पालना से कब्र तक' शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। शिक्षा प्राप्त करने के विभिन्न लाभ हैं जैसे एक अच्छा करियर बनाना, समाज में अच्छी स्थिति होना और आत्मविश्वास होना। सबसे पहले, शिक्षा हमें अपने जीवन में एक अच्छा करियर बनाने का मौका देती है। हम अपनी इच्छानुसार किसी भी कार्यस्थल पर काम करने के भरपूर अवसर प्राप्त कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, बेहतर रोजगार के अवसर अधिक और आसान हो सकते हैं। हम जितने उच्च शिक्षित हैं, हमें उतना ही बेहतर मौका मिलता है। इसके अलावा, शिक्षा हमारे दिमाग को पॉलिश करती है, हमारे विचारों को मजबूत करती है, और दूसरों के प्रति हमारे चरित्र और व्यवहार को मजबूत करती है। यह हमें सामान्य रूप से विभिन्न क्षेत्रों में जानकारी और विशेष रूप से हमारी विशेषज्ञता से लैस करता है; विशेष रूप से हमें अपने नौकरी करियर में महारत हासिल करने की आवश्यकता है। इसलिए, शिक्षा के बिना हम ठीक से जीवित नहीं रह सकते हैं और न ही एक अच्छा पेशा हो सकता है। इसके अलावा, शिक्षा हमें समाज में एक अच्छी स्थिति प्रदान करती है। शिक्षित लोगों के रूप में, हमें अपने समाज के लिए ज्ञान का एक मूल्यवान स्रोत माना जाता है। शिक्षा होने से हमें अपने समाज में दूसरों को नैतिकता, शिष्टाचार और नैतिकता सिखाने में मदद मिलती है। इस कारण से, लोग हमारे साथ उत्पादक और साधन संपन्न होने के लिए काफी और विशेष तरीके से व्यवहार करते हैं। इसके अलावा, शिक्षा हमें समाज में एक आदर्श बनाती है जब हमारे लोगों को हमें उन्हें सही तरीके से मार्गदर्शन करने की आवश्यकता होती है या जब वे निर्णय लेना चाहते हैं। इस प्रकार, अपने समुदाय की सेवा करना और इसकी उन्नति में योगदान देना हमारे लिए सम्मान की बात है। वास्तव में, शिक्षित होना हमारे लोगों की मदद करने और एक अच्छे समाज का निर्माण करने का एक फायदा है। इसके अलावा, यह सर्वविदित है कि आत्मविश्वास हमेशा शिक्षा से उत्पन्न होता है। आत्म-विश्वास होना हमारे लिए बहुत बड़ी आशीष है जो जीवन में कई फायदे और सफलता की ओर ले जाता है। उदाहरण के लिए, यह हमें विशिष्ट कार्यों का प्रबंधन करने, जीवन की चुनौतियों से निपटने और सकारात्मक रुख बनाए रखने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, आत्मविश्वास होना आमतौर पर उचित शिक्षा पर आधारित होता है; हमारे लिए सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। तदनुसार, आत्मविश्वास हमें इस बात से अवगत कराता है कि हम किसी कार्य या कई प्रकार के कार्यों को कितनी अच्छी तरह करते हैं। संक्षेप में, शिक्षित होना निस्संदेह आत्मविश्वासी और जीवन में सफल होना है। कुल मिलाकर, शिक्षा ज्ञान और जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया है जो एक सफल भविष्य की ओर ले जाती है। जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, शिक्षा होने के बहुत सारे सकारात्मक लक्षण हैं; जैसे कि एक अच्छा करियर बनाना, समाज में अच्छा मुकाम हासिल करना और आत्मविश्वासी होना। शिक्षा हमें बाधाओं को बिना किसी डर के दूर करने के लिए चुनौतियों के रूप में देखती है; नई चीजों का सामना करना पड़ रहा है। सफल लोगों और विकसित देशों की योग्यता के पीछे यह मुख्य कारक है। इसलिए, भविष्य की किसी भी सफलता के पीछे शिक्षा को एक वास्तविक सफलता माना जाता है

अलोना

कक्षा 11

मम्मी

मम्मी मेरी प्यारी प्यारी
मुझको लगती राजदुलारी ,
मीठी बोली उसकी लगती
अक्सर मैं भी उन्हें ही तंग करती
मम्मी मेरी प्यारी प्यारी
मुझ को लगती राजदुलारि ,
खिलाती मुझको नित नए आहार
देना चाहती मैं भी कुछ उपहार
मम्मी मेरी प्यारी प्यारी
लगती मुझको राजदुलारी!

सृष्टि
कक्षा 2

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और योग का महत्व

हर साल 21 जून को पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए एक साथ आता है। योग शब्द संस्कृत शब्द "युज" से निकला है, जिसका अर्थ है 'जोड़ना' या "एकजुट करना", तथा यह मन, शरीर और आत्मा को एकजुट करने का दर्शन प्रतीक करता है। यह सिर्फ शारीरिक आसनों से कहीं अधिक है। योग को एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए अपनाया जा रहा है। ध्यान के माध्यम से, योग एक शांत दिमाग विकसित करता है और मन की एकाग्रता को भी सुधार करता है। ध्यान, योग का एक प्रमुख हिस्सा है। ध्यान, स्पष्ट सोच और आंतरिक शांति की सुविधा प्रदान करता है। नियमित रूप से योग करने से आप अच्छी मानसिक संतुलन को पा सकते हो। तथा, यह एक ऐसा व्यायाम है जो आप किसी भी ~~उम्रों~~ उम्र में अभ्यास कर सकते हो। तथा, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस योग के अनेक लाभों के बारे में दुनिया भर मे जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

- टि.एस. निरंजन

कक्षा 10.